ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–३७
दिनांक– शनिवार, १५ मई, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.5 एवं 20.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 68 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 25.1 एवं दोपहर में 34.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 18.3 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(16–19 मई, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 16–19 मई, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। हलॉकि, पूर्वानुमानित अवधि में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 35–39 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 22–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10–15 कि0मी0 की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की संभावना है। १६ मई को पछिया हवा चलने का अनुमान है

• समसामयिक सुझाव

- जिन किसान भाईयों का अभी तक गेहूँ, मक्का तथा अरहर की कटाई एवं दौनी नही कर पायें हो वैसे किसान भाई अविलंब कटाई एवं दौनी का कार्य संपन्न करके दानों को सुखाकर सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करें।
- विगत मौसम पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा हुई है, जिसके चलते खेतों में प्रयाप्त नमी आ गई है। किसान भाई इसका फायदा उठाते हुए मक्का, ज्वार, बाजरा तथा लोबिया की बुआई करें। हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें।
- हल्दी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। किसान भाई १७ मई से इसकी बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ६० से ७५ किलोग्राम, स्फूर ५० से ६० किलोग्राम, पोटास १०० से १२० किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०–३५ ग्राम जिसमें ४ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०ग२० से०मी० तथा गहराई ५ से ६ से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए २.५ ग्राम इन्डोफिल ४५ + ०.१ प्रतिशत बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- लम्बी अवधि वाले धान की किस्में जैसे-राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१ वी०पी०टी०-५२०४ एवं सत्यम की नर्सरी २५ मई से लगा सकते हैं। र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००- १००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल की नर्सरी तैयार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार अवश्य कर लें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। उत्तर विहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ है। खरीफ मक्का की बुआई २५ मई से करें।
- अदरक की बुआई करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ३० से ४० किलोग्राम, स्फूर ५० किलोग्राम, पोटास ८० से १०० किलोग्राम जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम एवं बोरेक्स १० से १२ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार २०-३० ग्राम जिसमें ३ से ४ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०ग२० से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। अतः इस कीट की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग कर सकते है अथवा डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा २ मि० ली० +१० ग्राम चीनी/गुड़ प्रति लीटर पानी की दर मिलाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें। इन सब्जियों की फसल में निकाई-गुड़ाई का कार्य करें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 22.9 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी